माघ कृष्ण पक्ष

29 जनवरी से 11 फरवरी 2021

ऋतु शिशिर
सूर्य
उत्तरायण

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	29.01.21	7.15	17.54
अष्टमी	05.02.21	7.11	17.59
अमावस्या	11.02.21	7.07	18.04

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	शुक्र	आश्लेषा	29.01.21	सिंह 27.20	–
द्वितीया	शनि	मघा	30.01.21	सिंह	सर्वोदय पखवारा शुरू
तृतीया	रवि	पूर्वा फा.	31.01.21	कन्या 30.57	संकट चौथ व्रत (चन्द्रोदय 20.42), संकष्टी–तिलकुटा चौथ, स. सि. यो. 25.17 से 31.13
चतुर्थी	सोम	उत्तराफा.	01.02.21	कन्या	–
पंचमी	मंगल	हस्त	02.02.21	कन्या	–
षष्ठी	बुध	चित्रा	03.02.21	तुला 9.48	–
सप्तमी	गुरू	स्वाती	04.02.21	तुला	श्री रामानन्दाचार्य जयंती, कालाष्टमी व्रत
अष्टमी	शुक्र	विशाखा	05.02.21	वृश्चि. 12.46	अष्टका श्राद्ध, सर्वार्थ सिद्धि योग 18.27 से 31.10
नवमी दशमी	शनि	अनुराधा	06.02.21	वृश्चिक	दशमी तिथि का क्षय
एकादशी	रवि	ज्येष्ठा	07.02.21	धनु 16.14	षटतिला एकादशी व्रत (स्मार्त्त) सर्वार्थ सिद्धि योग 16.14 से 31.09 तक
द्वादशी	सोम	मूल	08.02.21	धनु	षटतिला एकादशी व्रत (वैष्णव), शीतलनाथ जयंती (जैन)
त्रयोदशी	मंगल	पूर्वाषाढ़	09.02.21	म. 20.31	प्रदोष व्रत, मेरू त्रयोदशी (जैन)
चतुर्दशी	बुध	उत्तराषाढ़	10.02.21	मकर	मास शिवरात्रि, रटन्ती कालिका पूजन
अमावस्या	गुरू	श्रवण	11.02.21	कुम्भ 26.13	पंचक प्रारम्भ 26.13 से, देव पितृ कार्य, मौनी अमावस्या, स्नान मेला प्रयागराज

दिशाशूल

पूर्व दिशा.....	सोमवार, शनिवार	दक्षिण दिशा....	गुरूवार
पश्चिम दिशा...	रविवार, शुक्रवार	उत्तर दिशा.....	मंगलवार, बुधवार

दिशाओं के सामने दिये गये वारों में उस दिशा में दिशाशूल होता है। अतः उस दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए। रविवार, गुरूवार, शुक्रवार की रात्रि में दोष प्रभावी नहीं होते। सोमवार, मंगलवार, शनिवार के दिन में दोष प्रभावी नहीं होते हैं। किन्तु बुधवार को हर प्रकार से त्याज्य है। अति आवश्यक हो तो रविवार को पान या घी खाकर, सोमवार को दर्पण देखकर या दूध पीकर, मंगलवार को गुड़ खाकर, बुधवार को धनिया या तिल खाकर, गुरूवार को जीरा या दही खाकर, शुक्रवार को दही खाकर या दूध पीकर और शनिवार को अदरक या उड़द खाकर प्रस्थान किया जा सकता है। यदि एक दिन में गंतव्य स्थान पर आना और जाना निश्चित हो तो दिशाशूल विचार की आवश्यकता नहीं है।